# गैर मदों से चूत चुदाई और गैंग-बैंग की इच्छा-1

नशे में मैं अपने होटल रूम का दरवाजा नहीं खोल पाया। तो एक जोड़े ने मेरी मदद की। अगले दिन उठा तो मेरे लंड में दर्द था। बाथरूम में गया तो वहाँ एक

पैन्टी टंगी थी ...

**Story By: (maleescortindia24)** 

Posted: Monday, August 15th, 2016 Categories: इंडियन बीवी की चुदाई

Online version: गैर मदीं से चूत चुदाई और गैंग-बैंग की इच्छा-1

# गैर मदों से चूत चुदाई और गैंग-बैंग की इच्छा-1

मैं अक्सर मुम्बई जाता रहता हूँ.. मैं इस बार मुम्बई गया तो एक अजीब अनुभव मिला।

एक होटल में रुका हुआ था मैं! रात में मैं बहुत देर से होटल पहुँचा था और काफी ड्रिंक कर चुका था.. सो लड़खड़ाते हुए अपने कमरे तक पहुँचा.. पर साला ताला नहीं खुल रहा था। मैं वहीं बैठ गया.. तभी एक जोड़ा जो मेरे सामने वाले सुइट में रुका था.. वो वहाँ पर आगया।

मैंने उनसे मेरे कमरे का ताला खोलने की गुजारिश की.. उन्होंने ताला खोल दिया। जैसे ही मैं उठा और अन्दर जाने लगा.. यकायक मैं लड़खड़ा कर फिर गिर गया तो वो जोड़ा मुझे सहारा देकर अन्दर ले गया और मेरे बेड पर मुझे सुला दिया।

अगली सुबह जब मैं उठा.. तो मैं बिल्कुल नंगा था और मेरे लण्ड में थोड़ा दर्द भी हो रहा था। न जाने मुझे कुछ अजीब लगा था.. पर मैं ज्यादा ध्यान न देते हुए बाथरूम में चला गया और नहाने लग गया।

बाथरूम में किसी की पैंटी टंगी हुई थी और उसे देखने पर लग रहा था कि वो अभी आज ही निकाली हुई है और उसका पानी ताज़ा लग रहा था।

थोड़ी देर सोचने के बाद मैं नहा लिया और कमरे में वापस आ गया।

मैंने देखा तो वहाँ पर मेरे कपड़ों के साथ एक पर्स भी पड़ा हुआ है और उसमें कुछ क्रेडिट कार्ड थे.. उन पर जो नाम और फ़ोटो थी.. वो रात वाले जोड़े की थी। नाम लिखा हुआ था नेहा कटारिया और करण कटारिया।

मैं समझ गया कि रात में मेरे साथ बेहोशी की हालत में जरूर कुछ हुआ है.. पर क्या हुआ था.. यह मेरी समझ से बाहर था।

मेरे लण्ड में दर्द भी था और सब सामान जो मिल रहा था.. वो उस जोड़े का ही था।

थोड़ी देर बाद मेरे कमरे की घन्टी बजी.. मैं अभी तौलिया लपेट कर ही खड़ा था। मुझे लगा रूम सर्विस का कोई बन्दा होगा।

पर जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, सामने वही रात वाला जोड़ा था।

उन्होंने मुझे 'गुड मॉर्निंग' कहा.. और सीधे अन्दर आ गए और अपना सामान खोजने लगे। मैंने उनसे पूछा- आप मेरे कमरे में क्या ढूँढ़ रहे हैं ?

तो करण ने बोल दिया- रात में आपको छोड़ने आए थे न.. तब हमारे क्रेडिट कार्ड यहाँ गिर गए थे।

मैं- अच्छा और क्या-क्या रह गया था आपका ? करण- कुछ नहीं। मैं- अरे बोलो यार.. मैं बहुत फ्रैंक हूँ और कुछ भी होगा.. तो वो भी दे दूँगा। करण- कुछ नहीं यार!

मैं- अच्छा जरा ये तो बताओ कि तुम्हारी पार्टनर की पैंटी कहाँ है ?

इतना सुनते ही दोनों मेरी तरफ देखते ही रह गए और जाने लगे। मैं- रुको रुको.. इतनी भी जल्दी कैसी? मैंने दरवाजा बंद कर दिया।

'सच-सच बताना.. रात में क्या किया तुम लोगों ने नहीं तो..'

करण और नेहा एक साथ बोल पड़े- रुको, हम बताते हैं- हम लोगों की अभी शादी हुई है और हम लोग अपना हनीमून कुछ अलग तरह से मनाना चाहते थे। हम लोग दो दिनों से किसी ऐसे मर्द की तलाश कर रहे थे.. जो हमें आज ही हमें सारी जिन्दगी का सुख लेने का मज़ा दे। मेरी बीवी को कभी किसी मर्द की तरफ देखने की जरूरत न पड़े। हमारे घर में हम लोगों ने देखा हैं कि औरतें और मर्द एक के अलावा किसी दूसरे तीसरे या कई लोगों से सम्बन्ध बनाते हैं और उनकी जिंदगी ख़राब हो जाती है।

मैंने इन 5 दिनों में 6 कॉलगर्ल बुलाकर अपनी इच्छा अपनी बीवी के सामने पूरी की है। पर हमें कोई मर्द ही नहीं मिला.. जो मेरी बीवी को मेरे सामने ठोक सके और उसकी सेक्स की इच्छा को पूरा कर सके ।चूँकि मैंने 6 कॉलगर्ल के साथ एन्जॉय किया है.. पर उसकी इच्छा पूरी करने के लिए कोई मर्द नहीं मिला और रोड के किसी आदमी के साथ तो मैं अपनी बीवी को शेयर नहीं कर सकता था।

यहाँ के वेटर भी न जाने कैसे हैं.. इसी लिए कल जब तुम बेहोश थे.. तब मेरे दिमाग में आया कि क्यों न तुम्हारा लण्ड देखा जाए। तब हमने तुम्हारे कपड़े निकाले और तुम्हारे लण्ड का पानी नेहा ने दो बार मुँह से निकाला। उसमें वो थक गई और मैंने उसे एक बार ठोका।

मैं- अच्छा तभी कहूँ कि मेरे लण्ड में दर्द क्यों है.. और इसकी पैंटी यहाँ क्या कर रही है। इतना बोल कर मैंने आव देखा न ताव और नेहा को अपने पास खींच लिया।

नेहा तो मानो मेरे शरीर पर गिर ही पड़ी। पर उतने में ही करण ने उसे बचाया और उसको खुद की तरफ खींच लिया। मैंने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी तरफ देखा।

करण- यह क्या कर रहे हो ?

#### मैं हँस दिया।

करण ने कहा- देखो भाई तुम्हारा लण्ड बहुत बड़ा है और वो अपनी चूत की चुदाई तुमसे नहीं करवाना चाहती। तुम्हारे लण्ड के साथ वो रात भर खेलती रही और वो उसके मुँह में भी नहीं आ रहा था.. तो चूत में क्या जाएगा?

मैं जोर-जोर से हँसने लगा और कहा- अरे बाबा करण, यह तो नेचुरल होता है.. लण्ड छोटा हो या बड़ा.. चूत में घुस ही जाता है और मज़ा भी आता है।

नेहा के पास जाकर खड़ा हो गया मैं और उसके नितम्बों पर से हाथ फेरने लगा। मुझे महसूस हुआ कि उसने पैंटी नहीं पहनी है.. जो मेरे ही कमरे में थी।

आपको मैं नेहा के बारे में बता दूँ... वो एक 28 या 29 साल की लड़की थी आप उसे महिला भी बोल सकते हैं।

उसका कद छोटा था.. करीब साढ़े चार फुट का.. गदराया गुलाबी बदन.. गोल चेहरा.. छोटे नितम्ब और बड़े मम्मे.. और करण करीब 35-40 के आस-पास का होगा और दुबला सा शरीर ऐसा.. कि हवा आए तो उड़ जाए।

जैसे ही मैंने उसके मम्मों को दबाया.. मुझे मालूम पड़ गया कि यह तो नई नवेली है और काफी मज़ा देगी।

इतने में ही करण ने कहा- अच्छा एक मिनट रुको..

उसने नेहा से पूछा- जानू क्या मैं यहाँ रुकूँ या जाऊँ.. कल भी जब मैं कॉलगर्ल के साथ था.. तब तुम मुझे छोड़ गई थीं.. और मैंने बिना किसी रुकावट और शर्म के मज़ा किया था।

नेहा ने कुछ नहीं कहा.. पर उसकी आँखें करण ने पढ़ ली थीं.. और वो वहाँ से चला गया। वो जैसे ही गया नेहा आकर मुझसे लिपट गई और ज़ोर-ज़ोर से चूमने लगी। वो बोली- साले हरामी, मुझे पहचाना कौन हूँ मैं ? मैंने कहा- नहीं.. कौन हो ? नेहा- तुम जब दिल्ली में थे, कविता को माँ बनवाया था दो साल पहले... याद है ?

मैं- कौन कविता.. मुझे तो याद नहीं?

नेहा- अरे जनकपुरी में तुम कविता और विक्रम के घर रुके थे और उनको एक बच्चे की जरूरत थी.. तब तुमने अपना स्पर्म डायरेक्ट डोनेट किया था।

मैं- अरे हाँ.. पर तुम कौन हो ?

'मैं विकम की बहन हूँ.. मैंने उस समय तुम्हारा लण्ड देखा था और आज तुम मुझे चोदने जा रहे हो.. पर राकेश मेरा एक काम और है.. क्या तुम वो काम पूरा करोगे ?'

मैं- बोलो जान.. बोलो.. तुम्हारा हर काम पूरा करूँगा। नेहा- मुझे तुम्हारे अलावा कई और लोगों के लण्ड और जो अच्छे लगे.. उन सभी से चुदवाना है.. पर करण को मालूम नहीं पड़ना चाहिए। कुछ करो, मैंने अपनी जिंदगी में शादी तक किसी से नहीं चुदवाया और शायद आगे भी नहीं होगा। बस.. अभी समय है.. तो जो चाहे कर लेना चाहती हूँ.. बस तुम्हारी मदद की जरूरत है।

#### मैंने हामी भर दी।

तब तक मेरे कपड़े उतर चुके थे और उसने एक झटके में ही अपने कपड़े उतारना शुरू कर दिए।

उसको नंगी देख कर मेरा लण्ड अब कसाव पकड़ रहा था और पूरा लम्बा होने लगा था।

मैंने बिना देर किए लण्ड उसकी चूत में पेल दिया और जोरदार झटके लगाने लगा। मेरे लण्ड में दर्द हो रहा था.. पर रात भर में दो बार पानी निकलने की वजह से वो आज जल्दी

#### झड़ने वाला नहीं था।

काफी देर तक ठुकाई करने के बाद मैंने अपना माल उसके पेट पर डाल दिया और निढाल होकर उसके बाजू में लेट गया। उस दिन दो बजे तक मैंने तीन राउंड मार लिए और सो गया। वो अपने कपड़े पहन कर अपने कमरे में चली गई।

आपके सुझावों का इन्तजार रहेगा। कहानी जारी रहेगी। maleescortindia24@gmail.com

## Other stories you may be interested in

दोस्त की बीवी को सुहागरात में चोदा

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम विक्की है, मैं एक जिगोलो हूँ. यह कहानी मेरी पहली चुदाई की है. इस कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपने जिगरी दोस्त की बीवी को उसकी शादी की रात को चोदा. मैं कोई लेखक नहीं [...] Full Story >>>

मेरी सुहागरात कैसे मनी

मेरा नाम सरला है और मेरी उम्र 38 साल की है. मूल रूप से मैं राजस्थान के बीकानेर में एक छोटे से गाँव की रहने वाली हूँ. मेरे परिवार में मेरे माता-पिता के अलावा मेरा एक छोटा भाई भी है. [...]
Full Story >>>

#### कामवासना से बेबस मैं क्या करती

दोस्तो, मैं आपकी माया मेरी पिछली कहानी गान्ड बची तो लाखों पाये को पढ़ कर तारीफ़ भरे मेल करने के लिए दिल से धन्यवाद. मैं फिर से आपके समक्ष अपनी सच्ची कहानी पेश करती हूं. दोस्तो, मेरे पास एक चीज [...]

Full Story >>>

# मेरी सहेली ने मुझे काल बॉय से चुदवाया: ऑडियो सेक्स कहानी

यह करीब तीन महीने पहले की बात है. मैं अपने पित से बहुत परेशान हो गयी थी क्योंकि वो मुझे संतुष्ट नहीं कर पाते थे और जल्दी ठंडे हो जाते थे. क्योंकि मेरे पित का हथियार बहुत छोटा था, सिर्फ [...] Full Story >>>

### पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-2

मेरी सेक्सी कहानी के पिछले भाग पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-1 में आपने पढ़ा कि कैसे मैं नैना के इतने करीब आ गया था हम दोनों ने एक दूसरे के होंठों के रस का मजा ले लिया था. [...]
Full Story >>>